

४	२	५	३	७	१	६	८	९	०
५	४	३	२	१	०	९	८	७	६
६	५	४	३	२	१	०	९	८	७

२४३ ५४३ ७४३ ९४३ १४३ ३४३ ५४३ ७४३ ९४३ १४३
 ३४३ ५४३ ७४३ ९४३ १४३ ३४३ ५४३ ७४३ ९४३ १४३
 ५४३ ७४३ ९४३ १४३ ३४३ ५४३ ७४३ ९४३ १४३ ३४३
 ७४३ ९४३ १४३ ३४३ ५४३ ७४३ ९४३ १४३ ३४३ ५४३
 ९४३ १४३ ३४३ ५४३ ७४३ ९४३ १४३ ३४३ ५४३ ७४३

आभा याद कथि
 २२९९

भारत

१६	६	८	२	५	४
२	१०	५८	७	५	३
१२	१४	४	६	१	८

१ इन्द्रयन्त्रमात्रयन्त्रहेतु हास्यभनो गर्भीणिताइदेयाइ
 दिनु उन्नीय वालरवपेदाहुन्छ अपामार्ग काजरेकीउ
 मा बाधेपनि वालरवपेदाहुन्छ कोठल नाभीमा
 घसोदोयपनी वालरवपेदाहुन्छ योसंवन्धमा प्रकाश
 मालेवेकाहुन्छ

५	२	३	४
५	६	७	८
९	१०	११	१२
१३	१४	१५	१६

ॐ श्रीगणेशाय नमः

श्रीसरस्वती नमः श्रीगुरुभ्यो नमः

श्रीः

उविप
 निभा
 माति
 रशाहे
 अअ
 छिन
 अदव
 उगन
 होम
 तमव
 अयव
 मानह
 काक
 अपव
 राधि
 मय
 अदव

ॐ विपुर्गमिश्वाहीविशिहीअमधवीरकाइविनीतीप्रो महामि
नि भाग्यमहामंडीरचाहा ॥ ॥ यममंतरलेमातयेराजपिपा
मातिनयेराहांनु जुनअक्षरपहीनेदयोयातमेअक्षरकोप्रक
रसाहेनुरजोवुगलेषियाकोहृत्पोकुगसत्यहो ॥ ॥

१ अअअ ॥ हेपृक्षेकमुन त्रायकपरमचरकोपसहतेरासवुधे
हैरुतनीमवुकाना सभैयोकाभमिदुहृत्पाह ॥ १ ॥

१२ अदद ॥ हेपृक्षेक मुतरोयाकाम पराक्रमचलाइसुभन्या
पुग्याह मनमासैकानराय आक्रमुनहोड याकाममाको
होमवुलाइयाभन्या तभडावडाहैन तेस्कावलपुग्याहैन
तमर्थतेस्काचुकीपन्यागरीकामगर सहजेलेमिदुहाता २

१५ अयद ॥ हेपृक्षेकमुन याकामतलाइ निकोहैन तवडाधुदी
मानह मुतरा पराक्रम सीहकाजलाह चित्तगीगरीअ ॥
कोकामगर मिदुहृत्पायाकामपुग्याहैन होडीद ॥ ३ ॥

४ अयद ॥ हेपृक्षेकमुन तमुदेह मजादेह ममनमाडुविधाहा
रायिआमाकीनगहस आकांनउचात्ता किनउताओहृह
म सोकायकोसीदहैन होडीद ॥ ४ ॥ ॥

१० अदव ॥ हेपृक्षेकमुन याकामअतीभलाह जाचीताइग

त्यापुन्याह लक्ष्मीप्राप्तिपरीहोला मनमासंतो वरायते

रामत्रयधौह ततिमनुकानासहृयाह यककोहीमानीस

तोरअघोवारलोभकुश गहकंठापरीनींदागहतेस्कोवि

मनमा वास महजैतोरकामसीहृयाह ॥ ॥५॥ ॥

अवअ ॥ हेष्टक्षेकमुन योफामकथीनह तेरादाज्युभाड

आयकस्मा शत्रुभयाकाहन त्याजानी चीतमर्थीरगरत

रादीनवीत्याकोथीयो अवदवीयस आउनुला ग्योकाम

धीभासपुगना यममामंदय हमायुपदेन ॥ ॥६॥ ॥

अवत ॥ हेष्टक्षेकमुन तवडाहदीरहीरंहीहृस् त्याहर

दाडीहातवकामपुनता केहीआयुवुद्धिकेहीइस्त

मीत्रकोवृद्धिलेमनकीडुभिभदादाडीदृयोतामा

नीस्कोतेले मरव्यागव्याकाह तेमेनेमदमैदा तेरा

कामपुन्याह ॥ ॥७॥ ॥ ॥ ॥

प२ भदय ॥ हेष्टक्षेकमुनयककामले तलाइ लाभहृयाह

परतु एकमनु हतस्कोवृद्धिमानलाग्याम चाडागरी

मभन्या थोरदीनने होला दीनोवागरमनडुदामन

गर तेरादीनवढीया आयाकोह मवकुराको वढिया

होला ॥ ॥८॥ ॥ ॥ ॥ ॥

अज
का
गन्य
अज
अज
धता
लास
अज
हम
दीन
वाक
अय
धनप
रतुये
वीरा
अय
अय
मना
अय
माज

५४ अद्वय ॥ हृष्टक्षेकमुन जज्ञेधाडा नभयाकोपानीस मडाइ
भाजानसत्तेनतसेयो काममाताग्या कामी नोम अधी

मानमकस्यां है नलागनु पयोत्रया वडाकलतेभया मा
वेनत्रवडागाहोह ॥ १४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

१४ अयेव ॥ हेष्टक्षेकमुन तेराचीत भन्या म्पीरहेन योका
मयहुतगाहोहतेसे चीत भन्या म्पीरहेन योका मयहुत
गाहोहतेराभाइबंधुहह्योका मभा अधी मयापागता
म् तम्कलेतेभन्या वडागाहोह ॥ १५ ॥ ॥

१५ अवय ॥ हेष्टक्षेक मुन योका मगदा वहुत डुरव हतर
तवडाधमात्मा हसतेराधर्मतेतेलेगया काकामहमता
इ तेरावरोहपरापक्रम तेधर्ममा चीत दीकामगया पुग
ता ॥ ॥ १६ ॥ ० ॥ ॥ ॥ ॥

२१ ववव ॥ हेष्टक्षेकमुन तवडावदिमानहम् मनमासं
तोवरायचीगम्पीरगर मवकामकोपारताउनेहम् ॥ १७ ॥

२१ ववंअ ॥ हेष्टक्षेकमुन यककामकोविश्वाम नमा
सौन्या किनभन्या तेरासमुधरेह नतसंगा मिलाते
रामतलवलीकामविगान्याह्व तलाइअथगाल

आड

ववव

नभेय

वीमन

३२ वयय

महिव

नपुन्या

मगपा

२४ वदव

हसतर

माकुरा

तरहल

गला

१२ यवद

धरेह

तरतला

कामपुताम् ॥ ५ ॥ ५ ॥ ॥

५४ यददा हे पृथ्वीकमुनतेराग्रहविगन्याकाथीया अवेनस
आया केहीदानपुरायगर मनमाथुलो आनन्द भौराज
मानपाठला मजमपनीपाठला मयमामेदहनमान
सत्यहो ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

५५ यदव ॥ हे पृथ्वीकमुनतरामनमारीकारहह केही
स्त्रीतेरामननग्या कारहहत्या मुतमोहहो छोडीदे
चीनानगर तेरामहायपर मेश्वरहह उनैवास्तेराका
यमिदिहोला ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

५६ यउद ॥ हे पृथ्वीकमुन अर्ककोआमछोडीदे व
कपरमेश्वरीकामरामागर विग्नकिंकुरा पनीमप्रता
सवकुरामा वढियाहोला लक्ष्मीपनीप्राप्तहो लाने
अयैजानीमेवागर ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

५७ यवय ॥ हे पृथ्वीकमुन तनहांकचंचल मनगह
मनअगनाइकन म्मीरभैरहतेरादीनघयीयाहह
कसादगाराइ मागतामयहकिन्नापहो नतेरा

५० तारा

१६ यअ

ला

र

१७ यद

धरा

हेला

१८ ययअ

चाडे

त्याप

१९ ययद

तलम

धोज

२० यअय

लाइ

वान

२१ यवअ

भनी

धर्म

तरोवढीयाहुचाह ॥ ५ ॥ ५ ॥ ॥ ॥

१६ यअ ॥ हेपुक्षकमुनयाकायगादीमा केहीहकहो
ला साहेवदेवाकेहीप्राप्तहोला प्रजाहमलेपनीजसग
रमवयादतेरोवढीयाह हुदेजान्याह आनन्दरह ॥ १० ॥

१७ यदय ॥ हेपुक्षकमुनयाकामनीकाहेन जमेवैरीको
धरापयाकोगढी तमेहोउमप्रापनीयकमानासमा
हेलाग्याकोह योकासनगरछोडीद ॥ ११ ॥ ११ ॥

१८ ययअ ॥ हेपुक्षकमुनयाकामवढीयाह केहीसाभदो
चाडेमीदिहोला केहीवसुतेराहातवारगयाकोरह
त्यापनीहातलाग्या परंतुकेहीदीनठिलोहोला ॥ १२ ॥

१९ ययद ॥ हेपुक्षकमुनयाकामकलाह भन्याजमेते
ततसहायनभै कामपुग्याहेन तसर्वकोहीसहाय
धोजतेराकार्यपुग्या ॥ १३ ॥ १३ ॥ ॥

२० यअय ॥ हेपुक्षकमुनयाकाभगाहोह योकाभलेत
लाइ धेरेंकेसवढाउनह पुतेआग्रहगरीस भन्या भग
वानसहाय भया धेरेंदीनमापुग्या आकुजान ॥ १४ ॥

२१ यवअ ॥ हेपुक्षकमुनयाकामडुधडीमापु पाउलाह
भनीहत्वाधीराधीहत्तेसोनगरडुधपाउलास मेतो
धर्मगरह कामहोइजाला हेसाधोडीद ॥ १५ ॥ १५ ॥

४२ यअञ्ज ॥ हेष्टक्षकमुनयोफामकमोहभन्याजमो
आकामकोफलहातलागोष्टयोफामपुगोमतेले
योफामनगरीभयनने इमेदेवताकोपुजारअमध
महादमाभयाभावे तैपनीहुनतगाहोहआमउद्धा ॥ १५ ॥

३० वयव ॥ हेष्टक्षकमुनतरामनकोचैचलातहोडोदत
रामीनतसगुभावारिशयहतरतेसकोविगारहुनाह
तयडाउपकारिहसुनीअयमानोस्पीरभैरहतरैभतोहु
न्याह ॥ ५ ॥ ॥ ॥ ॥

२५ ववद ॥ हेष्टक्षकमुन योफामतवाठहोइ सकवकढो
नेहैकिनमनलासेतरामगुभैरहपहिलेकामीन
पनीआजकालमनुभैतेराअमीवसैगविद्धाडा
राइतराकामविगानेलागीहुरयाजनीहुसीया
रगर ॥ ६ ॥ ॥ ॥ ॥

२७ वदद ॥ हेष्टक्षकमुनतेरोकामवडाकसमीतव
अआदमीलाइउठाइउठाइकनभयोकीतेराव
दिकनवलदाववाउनामीसभन्याहोलाआ

पुरा
२५ वदय
काम
ओष

मनभ
३५ वयद
गहग
राक्ष

२० वअय
स्पपु
कही
नाइ

१४ ववय
काक
नासह

१२ अ५ व
मनुधे
जानम
लागी

पुरा लेगा लोभने सकानगर ॥ ७ ॥ ॥ ॥

२८ वदय ॥ हे पृथ्वी कसुन यो काम भाते रो मन गया कोइ सो
काम नवी कोइ न्याहेन परंतु जल्ले कल साधरो गमा
ओषधि भीला ठगा होइ हं हं तसे यो काम पनी दत्त सच
मन भवा राघो उपाय योजी काम गरी सु भन्या सीद्ध होला ॥ ८ ॥

३५ वयद ॥ हे पृथ्वी कसुन यो काम वडा गा होइ न्याहेन आ
गहगर पुन्या हिरु मत गर अ काम पदी लाग ते
रो दीन वढी या छ सव काम भाज सपा उपा छ म ॥ ९ ॥

४० वअय ॥ हे पृथ्वी कसुन ते ले जो चीता या कोइ तपो अव
स्प पुन्या छ मन भा संतोष राखि आनंद सित वस के
कही दीन ते राग्रह निका छेन न पदी ते राध्यामी तुले त
लाइ योजी अधी को सव काम तपा उपा छ म से देहन मान ॥ १० ॥

४५ ववय ॥ हे पृथ्वी कसुन यो काम अती वढी या छ गरय
का काम भा कोही धी चला पारि आउला परंतु उमे को
नास होत ते रा मन भा संतोष भइ कार्य पुन्या छ ॥ ११ ॥

५० वअव ॥ हे पृथ्वी कसुन यो काम वडा दुर्लभ छ ते रा
मनु धरे छ यो काम गरी सु भन्या सामना पाउला म
जान मंग चीन म्यार राखी कोही वडा मानो सका साय
लागी काम गन्या तेरो भलो होला यो काम द्वाडी होत

मत्यमान ॥ १२ ॥ ॥ ॥ ॥

२४ वदअ ॥ हे पृष्ठे कसुन यो काम कमा छ जमे नो हा का
ज हा ज हा ज मा चढो पार हुन योज छ तमे यो काम छ
आयु जान ॥ १३ ॥ ॥ ॥ ॥

१३ वअअ ॥ हे पृष्ठे कसुन यो काम वडो कमा को छ जमे
जात मा पचाको मा छाला इउम कन कमा हुं छ तमे यो
काम गन्नाला इउम कन कमा हुं पाछ सत्रुपनी धेरै छ
न परंतु त धर्मात्मा छ म आग्रह दोडी नम भन्ना पर
मे श्वर कामे लाका वलले धेरै छ न पुरे दीन काजी होन
ले कामी मिहि होता ॥ १४ ॥ ॥ ॥ ॥

१५ वअद ॥ हे पृष्ठे कसुन यो काम वडो उताउतो छ धर
का परीया रमंग मह्य हगरी चाडे गरी हाल जमे रा
जाहम काल डाइ हुदा इइ दिन धिलो भया दयी ये
री को जीत हुं छ मे जानी धिलो नगर मन मा भेदन रा
यी यो काम चडा गर ॥ १५ ॥ ॥ ॥ ॥

१६ वयअ
वयय ॥ हे पृष्ठे कसुन यो काम को मिद छ ता गरी यी
दोडी दवद्वि वडाउ कल्याण चीताउ परमि श्वर ले अ

अक
वसी

६४ यय

इम

श्रुत

योप

राग

६२ यय

मे श्वर

ल छ

भया

११ यदउ

धीला

नमान

पुगता

४ यय

तेरो व

अकारि तरह गर्व दिने नृतेरो भलो हुन्दा छु धैर्य भइ धर
पसी रह ॥ १६ ॥ ॥ ॥ ॥

वित

१४ ययय ॥ हे पृथक् मुन तव डो पुर धर हो छु म् आक्राइ
इम देवता को मरणा गर उजापनी गर जन्मा तरहने
शुक्ल पक्ष का चन्द्रमा का कलावट डे जां छु न त मे तेरा
मो काम वट डे जान्या छु मनुला इजीती आमु काम पु
रा राग इषा ठिया हुन्दा छु ॥ १ ॥ ॥ ॥

१२ ययव ॥ हे पृथक् मुन यम का मको वाट मा क्षात पर
मेचरी जां द छि न तंग न्या गर नग्नान गर तेरा मन चैव
त छु मन श्वा गर परमेश्वरी को मम जन्पा छे न नृ छि हो
भयापनी तेरो काम पु र नाम् ॥ २ ॥ ॥ ॥

११ सदअ ॥ हे पृथक् मुन तव डो गरी छु म् तेरा मनु तमा
धीला गीत लाइ विगान लागी रह्य छु र विश्व म क मे को
नमान्या म मन धैर्य गर थोरै धीलो भयापनी तेरो कार्य
पुग्ता ॥ ३ ॥ ॥ ॥ ॥

१४ ययव ॥ हे पृथक् मुन तव डो पुदि मान उपकारी छु म्
तेरो वडो भाग्य छु आक्राइ छु देवता को मरणा गर का

संमिधीहोला ॥ ४ ॥ ॥ ॥

४७ ददद ॥ हेष्टक्षेक मुनयो काम धीतो हुन्यारहेछ तर
कन्यारा पुर्वक चाडो हुन्या छे ये कामागीस संग भेर होला
जमो पु^न हुन्य मा हय हु छ त मे हष ते समारी समंग भे
भे हु दात ता इ हु न्या ह यो काम हु दा बहु ते सुष भीत्मा
छ संतोष मन ले काम गर ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥

४८ दयद ॥ हेष्टक्षेक मुनतता इ का हो जान को इ छार ह
छ कहि कहि इर व पाउता स काम भन्या त श्मी पात्र
हुन्या छ तर तेरा इ छामा जो जा छ मे गर ॥ २ ॥ ॥

४९ ददय ॥ हेष्टक्षेक मुन यो काम सवे ने नीन्दा गमा को
छ छोडी दे तेरो भलो होला ॥ ३ ॥ ॥

५० दवव ॥ हेष्टक्षेक मुन यम काम मा छे उता भारी स घे
चला गया छ तर ते स को ना स होला तेरा हात वार के ही
वसु गया कोर हे छ यो वसु तेरा हात वार आउ न्या छ सं
देह न मान संतोष मंगर ह ॥ ४ ॥ ॥ ॥

५१ ददअ ॥ हेष्टक्षेक मुन यो काम गर्नु त मम मुद्र पार हुनु
छ सउते कलपनी दीन्या छ न रस काम पछा नलाग
पारता न्या छे न छोडी के ॥ ५ ॥ ॥ ॥

३५ दअद ॥ हेष्टक्षेकसुन योकाय भासखलाग्याह दी

लोनागर शत्रुकोभयनराबिचाडोकायगरीतभया सीदि

हुन्याह संदेहनमान ॥ ६ ॥ ॥ ॥ ॥

३६ दयव ॥ हेष्टक्षेकसुन योकाय भीलो हुन्याह योतासुद

तेपनीतरको ददेनये कीनमानी कामगर ॥ ७ ॥ ॥ ॥

३७ दअय ॥ हेष्टक्षेकसुन यमकामभावलो हुनेहु यथाडो

नपुण्य लेहुंछ राजद्वारकोवलपाइ सुभया पुग्याह ॥ ८ ॥

३८ ददव ॥ हेष्टक्षेकसुन योकाय वाधकामुय भाहातहान्द

जलोह पुग्याह न होडीदेउ ॥ ९ ॥ ॥ ॥

३९ दवद ॥ हेष्टक्षेकसुन जमैचन्द्रमाठदाया भाकुमुडितोर

प्रकासहुंछ तमैयोकायमहोतरामनमा प्रकासगराठ्या

नीश्वयमानो प्रकासगर ॥ १० ॥ ॥ ॥

४० दयय ॥ हेष्टक्षेकसुन तममुद्रजलोथिरभरहु यमका

महोकीती हुन्याह लक्ष्मीप्राप्तिहोता योकाय भलोह ॥ ११ ॥

४१ दअव ॥ हेष्टक्षेकसुन योकाय मलेवहुत संताय हुन्या तेरा

सकालकादिनगया भलोदिन आयो तेरा मीत्रहर्मग

मीसापहोता संतायर्मग सवैकार्यमीदि हुन्याह नीश्वी

ॐ आनन्दमग्नः ॥ १२ ॥ ॥ ॥ ॥

३३ दयव ॥ हे पृथ्वीक सुनत कती दरन मान यमकामले
तलाइ भंतोय हुपाछ मनको चंचलमा छोडी दे त
उद्धिमान छस धैर्यगर स्थिर भैरु इत्यदेवताको भ
रगागर तेरो काम भलो हुपाछ भैरु देह न मान ॥ १३ ॥

३४ दअअ ॥ हे पृथ्वीक सुनत रामनको ड श्रव भेती कने का
म हुपाछ तलाइ केही द्यपनी ला भ हुपाछ भनी
तेले पनी जाग्याका छ जो संग तेरो प्रीती छ तेम वात प
नी तेरा काम भलो हुपाछ पसुवार मानी स्फु की संग
रह ॥ १४ ॥ ॥ + + + + ॥ ॥

३५ दयअ ॥ हे पृथ्वीक सुनत वडो उद्धिमान रही छ सु तते
गगुद्धि कसे ले चल्न दिपा रहे छ रुत भया भलो
चीता छ सत्पोमलाइ कोही पनी भान्दार छान छ
न अवर आसुता भाइ वधु हसुंग भीली काम गर सरु
नी सिद्धि होला यसमा संदेह छैन ॥ १५ ॥

३६ दयअ ॥ हे पृथ्वीक सुनत रामनु धैर्य छ नी नी रहले
तेरा काम भलो गिगन्या छ नी नी रहको विश्वास छो
डी दे काम पनी पुढ्या भाग्य पनी पढला सबको
मान्य पनी होम यो पारसु मानी काम गर ॥ १६ ॥

इति श्री

स्वामि

इत्येव

आगे

Handwritten text in a non-Latin script, possibly Tibetan or Sanskrit, in purple ink.

Red handwritten mark or character.

Red handwritten mark or character.



आक्रामनभा नुहेरुमं सुवाद्य सोमर
 भा राखीयोना अक्षताली नुशभाभपा
 पनीवमालीदि नुसो अक्षतापभा
 का अंकले प्रध्वषता प्राकाभाहेरु-

१११	१२१	१३१	१४१	२११	२२१	२३१	२४१
११२	१२२	१३२	१४२	२१२	२२२	२३२	२४२
११३	१२३	१३३	१४३	२१३	२२३	२३३	२४३
११४	१२४	१३४	१४४	२१४	२२४	२३४	२४४
३११	३२१	३३१	३४१	४११	४२१	४३१	४४१
३१२	३२२	३३२	३४२	४१२	४२२	४३२	४४२
३१३	३२३	३३३	३४३	४१३	४२३	४३३	४४३
१४	३२४	३३४	३४४	४१४	४२४	४३४	४४४

राखि
 हीन

श्रीगणेशायनमः ॥ ११ ॥ अथ ब्रह्मविचारलिखिते ॥ अथ प्रश्न

॥ १११ ॥ यह सगुण अर्द्धाहें जो काम तुम विचारो सो काम पा
वेगा कोहि श्रम दोमें ओसर सगाममें जितु होगा तुम कुन जाका
वेपार होगा लाभ होगा तुमारा दिरण अर्द्धा दिन आया है तुम राम
नमै कुछ प्रचिता है तुमारा दाहिना भुजा में तिल होगा देव लेना

॥ ११२ ॥ यह सगुण मध्यम है तुमको हाविह यस्का मपि देवि
गार होगा यस्का फल बाहि आज काल तुमारा फल मध्यम
है दिन भिम मध्यम है कोहि आपसि सो विगार होगा बड़ा याद मे रह
ना आकरा कुल देता को पुजा गय्यास तुमारा मन चिता मटेगा
तुमारा सिपर पृतिलगा है सो तुम अधिकार लेना ॥ ११३ ॥

इस गुण से फल अर्द्धाहें अर्धलाभ होगा तेरे दिन जो भन सो
जगय अव अर्द्धा दिन भया है अव विषया दनहि करना तेरा
इस्मन सो अभिमान नास होगा अव का दो वर में तुमारा सुफल
होगा तेरा दाहिना अंग पर तिल है देव लेना ॥ ११४ ॥

यह सगुण अर्द्धाहें लाभ होगा धन मित्र सजन सो मिलाप होगा मि
स्को मिलना अर्द्धाहें लाभ होगा पुण होगा थोर कोहि बडे
आदमि सो विरोध होगा सो मिलेगा तुम्ह वडे आदमि सो डर
जानयरे गान्तुमारा दाहिना अंग पर तिल होगा देव लेना

॥ ११५ ॥ यह सगुण लाभ है कि तुमारा वेपार लाभ वह नहें
दिसा यार जानु सो फाई दाहें महिना भीच प्राप्त होगा ओस्का
वीभाममे विचार कर लेना ॥ ११६ ॥ यह सगुण अर्द्धाहें

हो कुल कि हादि सो गा पविम से लाभ होगा अर्धलाभ होगा बडे
रकि आदमि तुम कुं मित्र होगा उत्र फल मिलेगा अंग कालिन म
हीना मे बडा फल मिलेगा आफना इस्म गुह का उजा कता मिना

रभपुर्ण होगा. जसमीलेगा. तेरा स्त्रिजन का स्नेह रहे गहं पेट
 में विल होगा देव लेना. **॥ १२३ ॥** यह सगुण. सैमंमलोहेका
 र्यतुमारा मिद्ध होगा. कुलकुटुम्ब कि ह्रि होगा. नभासिला भरो
 गा. सनसन्नसौमिलाप होगा. परे ससैवडसुख के सम आचा आ
 वेगा. दिन तुमारा अच्चा है दोआवर्ष तुम कुं य क काम परेगा. प्रही
 वर्ष में वेड धर्म कि काम करना मन से वेड दिविहें विचार कर लेना.
॥ १२४ ॥ यह सगुण. अच्चा है भाइ मे मीलाप होगा. काम सिद्ध हो
 गा. जउन मन काम नाह सो काम सिद्ध होगा. मन में बहुत चितना है सो
 मेटेगा. भवते आ वर्ष में तुम कुं वेड क ल होगा. केही डर गमन होगा कु
 ल देवता को पुजा करना य काम सो द्र होगा. गुमारा मन मे केही गुप्त की
 कामना चीन्तना है विचार कर लेना. **॥ १२५ ॥** यह सगुण लाभ
 नही है य का र्य्य कर्मा सो बहुत विघ्न होगा दोआ प्रती सो बहुत भगा
 हेतु मारा मन चंचल होइ चितना फीता है सो विचार कर लेना य सक
 मन हि कर्ता तुमारे उपर वडो आदमि गुप्त कर के सत्रु भाव करता है तुम
 रा भाइ सो विचार कर लेना. **॥ १२६ ॥** यह सगुण औ सो हे जो काम तु
 म विचार ते हो सो काम अच्चा होगा. स्त्रिजन सो भिवडि यति होगा.
 गुमारा मन में गुप्त चितना है सो मेटेगा. य ह का र्य्य कर्मा आ स्त्रिजन का
 कारण से फल होगा. सतोष रहना पुत्र लाभ अवर स वला भ होगा तु
 मारा एक वेड का र्य्य होगा. ते से न वेड लाभ होगा. तुमारा य क लाभ हो
 गा सो ते लो दान पुजा करना त वला भ होइ तेरा दाहिना इन्द्रो य पर दाहि
 ना लिङ्ग मे तेल दे देव लेना. **॥ १२७ ॥** यह सगुण का काम मध्य म

हे मन मे
 न होगा
 लेने सो
 मेरु क
 यह सग
 माओ
 नु होगा
 राम न
॥ १२८ ॥
 माराम
 स्थान
 यह व
 सवामि
 चार क
 न्य का
 ह्रि
 हते है
 फल
 बीचा
 को पु
 आफ्र
 गुमारा
४४ ॥

हे मनमें चिन्ता है भाइ सैं धन हा निहे सँग गोष्टि उपजे दोआ मन भि बहु
नहोगा परदेस मे सव आवेगा मन मे धिर्जे कर्ना दो आवर्ष भि परदेस च
लेने सो बहुत फल सिद्धि होगा जोगिनि ओर ग्रह का पुजा कर्ना तिरा घर
मे एक कम सान दिहे विचार कर लेना वृत्तियार का दान करना ॥ १३४ ॥
यह सगुण सो वेड आदमी सो वेड लाभ होगा स्थि लाभ होगा पश्चिम दि
सा ओर पूर्व दिसा सवेडे जम लाभ होगा जो मन मे विचारो जे सो कामग
नुहोगा तेरा दसा मध्यमे हे सो अवगया सव ग्रह शुभ भयो हे शुभ होगा ते
रामन कि पुत्र चिन्ता हे सो भेटेगा तेरा दाहीना अंग पर तिल हे देव लेना
॥ १४१ ॥ यह सगुण सो लाभ होगा विवहा स्थि जन काला भ होगा तु
मारा मन मे परदेस कि चिन्ता हे सो भेटेगा राज प्रसाद का फल होगा
स्थान कि वृद्धि होगा मंडू लहेम वारिका हाति पालना कुं लाभ होगा
यह वष मे तिर्थ कर्ने सो बहुत लाभ होगा ते आवर्ष भि वेड काम काज
सो मिलेगा तेरा स्थिका सदारोगा हे पुत्र का भि वंन्धा हे ते भिति
चार कर लेना ॥ १४२ ॥ यह सगुण भे भगल या जा वजगा धन धा
न्य काला भ होगा भाइ सैं पृति वेड गामन के चिन्ता मे टेगा कुटुम्ब कि
वृद्धि होगा सज्जन सो मिलाप होगा सैं तोष रहना जड वानु चा
हते हे सो मिलेगा तुमारा मन कि पुत्र चिन्ता हे सो भेटेगा राज समान
फल हे मन कामनो रथ पुरा होगा तुमारा कि सिसो लहना हे सो
विचार कर लेना ॥ १४३ ॥ यह सगुण सो केवल लाभ हे भवानी
को पुजा करे तव भगल होगा कार्य लाभ होगा लक्ष्मि लाभ होगा
आफ्राम रिकारोग छुटेगा तेरा सनु काना स होगा वेड देस से
तुमारा दिल मीलेगा तेरा दाहीना इन्द्रिय पर तिल हे देव लेना ॥ १
४४ ॥ यह सगुण सो धर्म काम हे सभ्रति मीलेगा राज काम वेड

फल भी लेगा. मन काम मोर थपुर्ण होगा. धन का सिद्धि होगा आफ मन
 कि कष्ट भरेगा. दो आ वर्ष में तुम्हें बडे फल होगा परदेस में जाने क प
 रगा तेरा देह पर्य करेगा हे सो विचार कर लेना. ॥ २९१ ॥ यह सगुल
 में अच्छा है काम बडा भी लेगा. धर्म का फल सो भाइ मित्र कुं फल हो
 लावे पार में भी लाभ होगा. स्थि पुत्र काला भ होगा. तुमारा स्थि काम
 ने बडे फल से है का हि दु र देस से बहुत लाभ होगा. ॥ २९२ ॥ यह स
 गुला से मंगल वाजा. वजेगा. विदेस से बडे काम यो आयेगा. बडे जने से
 दो दृष्टि होत है. भाइ वीधु से मिले प होगा मरि र का सुख होगा. तुम
 रा मन में इर कि चिन्ता है सो राज समान का फल होगा. का ही देवता का
 स्थापना कर्न तुमारा बहुत लाभ होगा तुमारा स्थि पर बडे प्रिति है वि
 चार कालेना. ॥ २९३ ॥ यह स गुला से तुमारा स्थि की चिन्ता
 हि तुमारा दुसरा. मन पर लगी है बहुत विचार कर लेना दो आ वर्ष में बडे
 काम परेगा. मित्र का फल से काम सिद्ध होगा तुमारा ये क प्रह्व हुआ
 दा है तस्का दा पुजा कर्न मन के चिन्ता बहुत रहता है सो फल सो म
 न होगा. तेरा घर में गुप्त्र धन है सो विचार कर लेना. ॥ २९४ ॥ यह स गु
 ला से तुम्हें बहुत लाभ होगा. गय वस्त्र विना. तुम्हें कष्ट परेगा.
 सो बडे आदमी से भतेगा. मन मन में गुप्त्र चिन्ता रहता है सो फल का
 काम सिद्ध होगा. सहव वत से तुमारा दिन भी अछा. भावा है शुफल.
 होगा. देविका शिव जी का पुजा कर्न तेरा सरी मे ल्य हा का धाव है
 सो विचार कर लेना. ॥ २२९ ॥ यह स गुला से तुमारा भलो नही है तुम
 रा ग्रह मध्य में तुमारा मन में चिन्ता है तुम्हें को दुस्मन हा बहुत लगा है यह काम
 छाडी के दो आ वर्ष में तुमारा दिन अछा आवेगा. काम भि सुफल होगा. कुल
 देवता को पुजा कर्न ओर यह का दान कर्न तुमारा हुति प्रार अशुभ है

म्का दान व
 ॥ यह स गु
 रा विरह
 तस्को दान
 भी लेगा
 उप जेगा
 हागा. धन
 ना कर्न
 लेना ॥
 काम चिन्ता
 क तुमारा
 मारा काय
 ना ॥ २
 नका भय
 विचार क
 ॥ २३२ ॥
 काम ना है
 वसे विरो
 प्रा. ओर
 चार कर्न
 काये सि
 तुम्हें बडे
 लेना ॥

स्कादानकरा आगे गुप्तस्म को या प्रल डेव के वंचा हे सो विचार कर लेना ॥ २२२ ॥

॥ यह सगुण स मध्य मे हे भिन्न जन सो विगार होगा का हि चोरिका गुण मे तु मा
रा विरह हे सब वा डना मन को मनोरथ पूर्ण नहि हे तु मारी यक ग्रह घाता हे
तस्को दान करना स्त्रिका वस सहोगा अवत आवर्ष मे तु मस् कु वडा अकल
मी लेगा श्री ३ श्वर कि पुजा करना ॥ २२३ ॥ यह सगुण मध्य मे हे कलह

उप जेगा जडर काम विचार ते हे स्वव हुत धिला हे यकाम मे भ्राइ सो विरोध
होगा धन का हा नि हे यह काम नही करना दो आ काम कर्ता प्राप्तरा का पु
जा करना देवता स्थापना कर्ता गुमारा सो पना मे जल देखा हे स्व विचार कर
लेना ॥ २२४ ॥ यह सगुण का फल से गुमकु स्त्रिका चि ना हे अरु वडा

काम चि ना हे गुमारा मन काम नोरथ का काम विलम्ब कर्के होगा आज्ञा
क गुमारा बहुत दिन था श्व दिन गया अद्या दिन आप्रा विस्तार कर के गु
मारा कार्य सिद्धि होगा देवता गुम काम कि सो ला भ होगा विचार कर ले
ना ॥ २२५ ॥ यह सगुण का फल गुमारा कार्य सिद्धि हो होगा इस्म

नका म मे हे स्व विघ्न आवेगा आज्ञा काल गुमारा यक ग्रह घाटि प्रा हे स्व
विचार करे गुमारा अङ्ग मै धातु विगार हे पट्टे वडा दहे सो विचार कर लेना

॥ २२६ ॥ यह सगुण का फल मध्य मे हे जो ना काम गुम विचार ते सो
काम नहि हो ई मन से मय उप जेगा धन हानो सरि मे क ह होगा कुटु

ब से विरोध होगा गुमारा उपर को हि स्त्रि जन इस्म न लगा हे स्व विचार
प्रा और कुल देवता के पुजा कर्ता गुमारा इह पर पास ना विगार हे स्व वि

चार कर्ता ॥ २२७ ॥ यह सगुण का फल सुनो गुमारा पुष्प राप फल से
कार्य सिद्धि होगा गुमकु बी डे सो वडा प सु सो ला भ होगा दो आ वर्ष मे

गुमकु वडे काम होगा को हि स्त्रि जन से गुमकु विगार होगा स्व विचार क
र लेना ॥ २२८ ॥ यह सगुण का फल गुमारा काम होगा कुटु

मनका कलेसमेत गागु प्रवाट भिसि द्विहोगा तुमारायडा दिनधे अवतो
लाभ आ प्रा तुमकु काम कान सुफल होगा दोआ काम न हानि होगा
तेरा मन मे एकचित है सो मरेगा देव लेना ॥ २४१ ॥ यह सगुण
का फल सिद्धि होगा वेवहार भि वेगगा तेरा मन कि इच्छा पूरा हो
गा यह वर्ष धरे सजाने कु भि परेगा प्रनुक सो तुमारायडे दो सिद्धि
गा मन के इच्छा पूरा होगा तेरा स्त्रिका पेट पर तिल है देव लेना
॥ २४२ ॥ यह सगुण सो तुमकु दोना मला भ होगा मन काम ने
रथ पूरा होगा केहि वेड आदमी सो तुमारायटि होगा वेड काम
फल होगा दोआ वर्ष मे तुमकु वडा फल होगा तुमारा दाहीना हस्त
पर तिल है देव लेना ॥ २४३ ॥ यह सगुण सो तुमकु हानि होगा
मन मे वेड चीन्ता होगा काम फल नही होगा सत्रु भी बहुत लगेगा
यह काम छोड के दोआ काम कर्ना इश्वर का प्रसाद सो भलो होगा
देवता स्थापना कर्ना ॥ २४४ ॥ यह सगुण का धर्म फल है का
मका ह द्विहोगा तुमारा उच्चा जनका दिन है स्वगया अवतो भ
लादीन बहुत आया मन काम ने रथ पूरा होगा तुमारा देह मे य
क रोग है स्वविचार कर लेना ॥ ३११ ॥ यह सगुण का फल
धराप है उम्भन के भय है मन मे वेड ताप है सरिर भी कष्ट है
दीन तुमारा मध्यमे है स्ववहुत विचार करना यह काम छोड के दो
आ काम कर्ना कुल देवता को पुजा कर्ना ॥ ३१२ ॥ यह सगुण सो
लाभ होगा कुटुम्ब कि ह द्विहोगा मन काम ने रथ पूरा होगा

मनका
प्रचिन्
स्वविच
दोआ क
करेगा
होगा म
होगा म
लसे तु
विगार
वहुत च
लगेगा
स्वविच
परम अ
होगा तु
भ होगा
कुंज स
कोहि
डेच चल
रजगा है
मकार्य
ज होता

मनकाची चिन्ता मेरेगा परदेस जाने सोला भोगा तुम्रा मन मे बहुत गु
प्त चिन्ता है सो विचार कर लेना ॥ ३१३ ॥ यह सगुण सो धन चिन्ता है
स्व विचार कर तुमारा का म भ्रष्ट नहि होगा यह काम द्वा डके
दो आ काम कर्ना सिन्नु बहुत लगेगा कोहि सिन्नातिने तुम कुंदागा
करेगा स्व विचार कर लेना ॥ ३१४ ॥ यह सगुण का फल कछ्यारा
होगा भोगत वारध स्ना भोगा भोगत वा जावजेगा दो आ काम भि सिद्धि
होगा मन मे वडे सौ तोष रहना तुम धर्मति माहे तुमारा पूर्व जन्म का फ
ल से तुम कु भला हेते आवस्य मे तुम कु वडे काम होगा तुमारा भाइ सो
विगार होगा स्व विचार कर लेना ॥ ३२१ ॥ यह सगुण सो मन का
बहुत चिन्ता है तुमारा दिन मध्य महे सिद्धि नही होगा बहुत सन्नु
लगेगा यह काम द्वा डके दो आ काम कर्ना तेरा मन मे गुप्त चिन्ता है
स्व विचार कर लेना ॥ ३२२ ॥ यह सगुण सो तुम कु भला होगा
परम आनन्द है मन कि चिन्ता भी मेतोगा वडे आदमी सो दो स्त्री
होगा तुम कु परदेस भी जान परेगा काम होगा दो आ जन्म काल
भ होगा तेरा सरिर कुंदाग है देव लेना ॥ ३२३ ॥ यह सगुण तुम
कुंदास ला भोगा मित्र से दो स्त्री वनेगा राज लक्ष्मी का फल होगा
कोहि चिका सवार का हति पार का लाभ होगा तुमारा मन व
डे च चल है धिर्ज कर के रहना यस वर्य तुमारा दाहिना कर्का श्व
र लगे है विचार कर लेना ॥ ३२४ ॥ यह सगुण से सु फल है वडा ज
म कार्य होगा फला भि पूर्ण होगा मन का मनोरथ पूर्ण होगा यह फ
ल होता है मन कि चिन्ता डर होता है तेरा मन मे एक तरा से ज्यो वि

॥ ३३१ ॥ यह सगुण का फल सुन्य है जो न पाधिकता
है सो काम नही होगा दोआ काम उत्सव कर्ना मनु बहुत लगा है स्व
विचार कर्ना तेरा दाहिना भुजा पर तिल है देव लेना ॥ ३३२ ॥ यह स
गुण का फल सुनो जो न काम विचार ते हो स्व काम नही होगा और
काम चिन्ता कर्ना यह कार्य सो दोआ मन कि भय होगा तुमारा
दीन मध्यम है सो वनेगा पिछ फल नही है इह काम छोड़ के डो
आ काम कर्ना आज काल तुमारा दीन बुरा है स्व निमीत्त कार्य
नही चलेगा ॥ ३३४ ॥ यह सगुण का फल सुनो तुम कु लाभ होगा
मन काम नोर थपुगी होगा राज प्रसाद का फल होगा तुमारा दीन बहुत
उत्तम है परदेस में बडे काम को सिद्धि होगा तुमारा पैर पर तिल है दे
व लेना ॥ ३४१ ॥ यह सगुण का फल सुनो तुमारा मन कि ची
त्ता है सो मेरेगा भला होगा जो न काम को सो सु बहागाल
श्री का फल से बडे भादमि से छति होगा राज प्रसाद का फल हो
गा तेरा सिर में दंड होगा है स्व विचार कर लेना ॥ ३४२ ॥ यह स
गुण का फल सुनो तुम कु मन कि चित्ता है सो नही होगा म
नु बहुत लगा है स्व विचार करना तुमारा भाइ बडु जो न है सो स
नुभाषण वता है स्व विचार कर लेना तुमारा दीन बहुत थराप है
तेरा इन्डी पर तिल है देव लेना ॥ ३४३ ॥ यह सगुण का फल सुनो
है बहुत उपद्र उपजेगा मन म चित्ता भी परेगा मनु काम यह
धन प्राप्ति नीव का भय है सो चीत्ता रखना फीर दो आवर्ष मे तुमारा

लाभ है
स्व वि
र में भे
द्वि हो
मारा
काम
सि
व्ये
चार
काम
न तुम
दीन
ल
राज
होगा
बीच
तुम
ध्य
गा
न

लाभ होगा नवग्रहका पुजाकर्ता तुमारा मनमें एकप्रकार का है
स्वविचार करनेना ॥ ४४॥ यह सगुण का फल लाभ होइ वेसा
रमें और वेती प्रालाभ होगा सत्रु का हानी है तुम कुं राजलक्ष्मी व
द्वि होगा तुम कुंडर से भय होगा मन काम नोरप्य पूर्ण होगा तु
मारा प्रकजना सत्रु है स्वविचार करनेना ॥ ४५॥ यह सगुण
काम ध्ये मे है धन का भी सरोर को भी पिडा जो मन में है सो फल
सिद्धि नही है तुमारा दोन बहुत पुरा है और हानी होगा प्रहका
व्ये होइ के दोआ का प्रकन तुमारा हृदय में एक रोग है बी
चार करनेना ॥ ४६॥ यह सगुण से तुमारा चित्त इव तेगा स्व
काम नही होगा कलह का भय होगा पुत्र से सत्रु भिन्न होगा दि
न तुमारा मध्यमे प्रहकाम होइ के दोआ का प्रकन तेरा दा
हीना पुजा परती रहे डेने लेना ॥ ४७॥ यह सगुण का फ
ल सुनो मन का चितना भेटेगा कामना का व्ये सिद्धि होगा
राज प्रसाद का फल भालेगा अव के ते आ वर्य प्रवृत्त सुफल
होगा मन सी तो सय सलाभ होगा मध्यम अंग में पिडा है
बीचार करनेना ॥ ४८॥ यह सगुण का फल मध्यमे है
तुमने जो इष्ट्या करेगा सो सिद्धि नही होगा तुमारा दसा म
ध्यमे है काम नही से मन प्रचीना वढेगा दोआ वर्य मे लाभ हो
गा प्रहकाम होइ के दोआ काम कर्ता इष्ट देवता को पुजा क
र्ता ॥ ४९॥ यह सगुण का फल तुम कुं बहुत लाभ होगा

काम कार्य सिद्धि होगा मन कामना पूर्ण होगा तुम्हारा मन के के
 ही चीता है स्वविचार कर लेना ॥ ४२२ ॥ यह सगुरा का फल
 सुनो तुम्हारा धन का पुत्र का हानी है वह कार्य भला नहीं है भय
 होगा काम छोड़ के दो आ काम करना तुम्हारा सिर में दई है स्ववि
 चार लेना ॥ ४२३ ॥ यह सगुरा का फल से तेरा मनुकाना लहो
 गा धन लाभ होगा अर्थ प्राप्त होगा दोस्ति प्रीति लाभ होगा जैसे
 असंघ से रोग धुटेगा तेसे जरह से तुम्हारा भला होगा मन काम
 न काम नोर थ पूर्ण होगा तेरा पैतला परतिल है डे बलेना ॥ ४२४ ॥
 यह सगुरा से तुम्हें कुचितना है तुम्हारा दिन चुरा है वह काम व
 ज है यस व वत मेना है कर्ना यह काम छोड़ के ओर काम आरंभ क
 ना तेरा उपर इस मन बहुत लगा है स्वविचार कर लेना तुम्हारा ध
 र में सुषना है होगा ॥ ४२५ ॥ यह सगुरा का फल तुम्हारा काम
 ना सीद्धि होगा मन के चित्त नाम टगा दीन दसा बहुत लाभ है
 राज फल मिलेगा प्रसाद मिलेगा तुम्हारा मन सिद्धि होगा मन
 सुफल होगा प्रसाद मिलेगा दीन दसा बहुत भला है राज फल
 मिलेगा स्वविचार लेना ॥ ४२६ ॥ यह सगुरा से बहुत डर हो
 गा वडे मंगल होगा धन भात न सला भला मन प्राप्त सुफल
 होगा तुम्हें कुह सिद्धि होगा स्वप्राप्ति सिद्धि है स्वविचार लेना
 ॥ ४२७ ॥ यह सगुरा का फल तुम्हें कुल लाभ होगा जल्दी पुसी हो
 गा तुम्हारा मन का जड वडा सो सिद्धि होगा तुम्हारा ने से ७

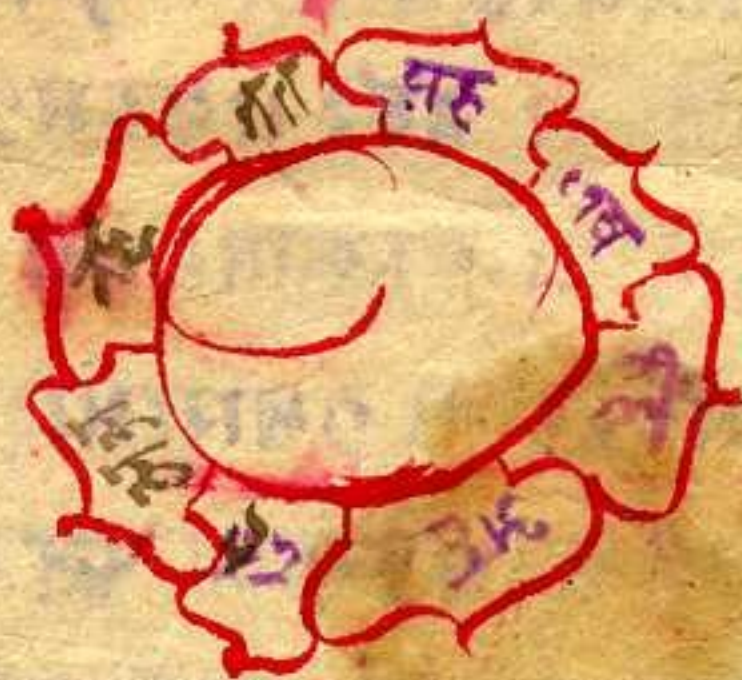
कृप
 भतप
 ४३४ ॥
 तुम्हारा
 रका
 मे क
 मन व
 श्री म
 का है
 काम
 सरह
 चार
 होगा
 गमे क
 मन सा
 राका
 भला
 व प्र व
 र सो भी
 भा रा इ

कूपक्षेका चन्द्रमाध्यम असे हृदि होगा तेसे तुमारा हादि हे तुम कुध
भतपस्याका फहेल तुमारा दाहीना अंग पर तिल हे देवल ना ॥

४३४ ॥ यह सगुण का फल भाइसा विरोध होगा कल्पम उपज्यगा
तुमारा उपर को हिस्त्रिज नवदुतस भ्रावना कर्ता हिकेवल श्रीश्च
रका भक्ति कर्ता यह काम कुत्साग कर्ता ग्रहफा प्रजा कर्ता तुमारा मन
मे केही चीता हे विचार कर लेना ॥ ४४१ ॥ यह सगुण से तुमारा
मन के मनोरथ पूर्ण होगा तुमारा चीन्तसे विचार ते हो सो भी होगा
श्रीभूदेवता से प्रसाद भइके भला होगा तुमारा मन मे के हिय डारि
शा हे सो विचार लेना ॥ ४४२ ॥ यह सगुण का फल धर्मसा
काम हे काम सिद्धी होगा यह काम दीना और आइना धीज
से रहना यह काम सीद्धी होगा तुमारा सरिर सो सुख नही स्ववि
चार लेना ॥ ४४३ ॥ यह सगुण का फल मनोरथ कामना पूर्ण
होगा धन फल बहुत धन होगा भाइ वंधु विरोध करेगा न्याही
तमे काम फल पूर्ण होगा यह काम विस्मर सिद्धी होगा तुमारा
मन सो इस्मर चिता होगा स्वविचार कर्ता ॥ ४४४ ॥ यह सगु
ण का फल सुनो मन का मन विचार ते हे सो सिद्धी होइ धन ला
भ होगा अस्थि सुख पुत्र ला भ होगा गाइ वस्तु मिलेगा दो आव
र्ष मे बहुत सुफल होगा सचुका और रोग काना सहोगा वेपा
र सो भी ला भ होगा नवदुदय का फल होगा बहुत सुससे रहना तु
मारा इन्दीय पर तिल हे देवल ना ॥ श्री ॥ ग ॥ ॐ श्री गी ॥

श्रीगंगा राम विरचिते अंकीर्ण नामागोप्रधसम्पुर्णम् समा
प्रम् ॥ अम् ॥ ॥ ॥ ॥

श्रीसम्बत् १९५२ साल भाद्र सुदी ११ रो
ज ३ माले के को भरी की ताप को भीती
हाल मारे को भीती श्रीसम्बत् १९६१ साल भीती फाग
वडी रो ज ३ गते १४ मामो ध्याया को मो सिन्हा
गोविन्द लाल को हला क्षर हो ॥ ॥ ॥



यह ॥ लडाइयु वे होला आभी रमा ते रो हार होला दिन तरा घराया
ह ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
जव ॥ लडाइया ते रो जीत होला ॥ ॥ ॥

अह
कह
कह
अअ
नह
नत

जो ते
न ते
मु ते
म ते
ज ते
र ते
श ते
प ते

अह ॥ लडाइभावडावरहोला ॥ ॥ ॥
 कह ॥ लडाइभावडाकाहोला निततेरोहोला ॥ ॥
 कह ॥ लडाइहुलोहोला निततेरोह ॥ ॥
 अअ ॥ लडाइभावतेरोहारह ॥ ॥ ॥
 नह ॥ लडाइभावतेरोनोतह ॥ ॥ ॥
 मत ॥ लडाइभावडावरभेरोभागला ॥ ॥ ॥

याकोठाकाअक्षरमाहुनुउहो
 अक्षरहेरोभाक्तादीनमुदीनहेर
 न्याप्रह्वान्चार ॥ ॥

	ज्ञा	त	नु	स	
य	झा	ज	र	ज	द
स्व	ह	ज्य	श	त	व
अ	य	य	ह	ला	हे
व	न	म	ल	की	ग
	क	फ	गां	आ	

जो ॥ तेरादीनवढीयाह्नुः घरहदेनआनन्दसंगरह ॥ ॥
 न ॥ तेरादीनवढीयाआहुपाह्नुः देवताकोभक्तीगमास ॥ ॥
 नु ॥ तेरादीनवढीयाह्नुः जसप्रकासगमाकामपुगला ॥ ॥
 स ॥ तेरादीनवढीयाह्नुः आनन्दसंगरहकामपुगला ॥ ॥
 ज ॥ तेरादीनवढीयाह्नुः इधपलीपेरीहुतला ॥ ॥
 र ॥ तेरादीनवढीयाह्नुः तनाइतुलोभातलोला ॥ ॥
 श ॥ ॥
 य ॥ ॥

४ य
य



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

1875

991464161 (11)

... १० ...

मिथुन प्रावेला नजीक १५ मिनट ०५

॥ गुणविभक्त्युपाधिना ॥

११० अथ विष्णुसहस्रनाम

॥ ३ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

य
मा
ग
र
नी
अ
वे
शि
ला

४ ततम तस्य कक मयव ३ कू कू धीकत डि जत क न के ह
 त खेस चे ७ मे मे छ ३ मफ च ले ११ व मप म स न चे म

मनोमयपुत्र

पृथ्वीकोच राडर च ठाडु
 वायुको धूप दीप है—
 अकासको पुष्प फूल च ठाडु
 नदिनाला वरुणात्मक को नैबंद च ठाडु
 नानाअलंकारमाला, मणि, मानीक, हीरा, मोरी,
 तुलसिको, माला हरु बनाई च ठाडु

पृष्ठे यक्षधरस्त्रिजलधरकलशं लिङ्गमौकास
 रूपं नक्षत्रं पुस्यमालाग्रहगणकुसुमैनेत्रचन्द्रा
 र्गवर्ही कूर्क्षोसप्रसमुद्रभुजगिरीसिखरा
 सप्रपातालपाडो व्यक्ताचत्वारिधाचदशदि
 शवदनं दिव्यलिङ्गमनमामिः॥१॥

यदि न शिवजी के लासमाविराजमानहुतु भैयक्ते को
 माजनमासलो कल्पना हुनगयो कि भैले से सार श्री ह्री
 गरु मनी मीनता गरी वाहीर सवारी हो हुव कल वा शही
 र व स क वृ ध फकिर दे ये प दी न डो आ स अ य मा
 नी शिवजी ले भंगु रूपो कि अहो लिमी के जे ज न म
 म को नं दा म उ से व ख त ज न म म क तु म किस दी न म
 वे र गी क हा त ठ स ते ह म उ स कि नो वे रा गी हो भंडा
 शिव जि द क प रो र र य क दी न नी र पा र वा ते के
 ला स मा रा ज भै रहे नो व व नो पा र व ले ल मु क्षी मी न

एक आलु हाली देवा डडु मने किं शिव जी यो जी ज कजा
 हो यो ता मने हो यो बाहु डडु मने दा खान हूँ दू रवौ दुअनी
 शिव जी ले मं तुं म प्रो केरी पाव ते ले मुं डी बाधी मुं डी
 मने रवौ ली डरवा डडु मने पा के यो निज बाहु डडु मने मं तुं
 डडु मने डडु मने यो मने डडु मने रवा तु डडु मने दुअनी मं तुं
 हदा शिव जी ले देवे वि वि के आलु मेडा डडु मने रने रने
 रवा तु डडु मने दा शिव जी ले मं तुं म प्रो एक चि ली मृगा
 गो वना डर रवां दुअनी पाव ते ले गा जा वना डर रवा डडु मने
 र सफ एग मने मा हा देव पार्वति डवे डल डे जा डर व पो
 रवरी दे रिव सो शिव जी ले मने पो वरी को पानी अनुलि हा
 ली रवा वला डडु मने के वे ला मा पा रव नि ले लो पानी को
 ह र दू र रवा तु डडु मने मने पार्वती ले मं डा शिव जी मं तुं र
 को कि न मने मं डा त पा ह ला ह मे लवे मे डा ग र डडि न का
 शिव वा र र को र मने को फो र पा धो न को पो ख ए डडु मने
 लो पानी मे ला दू र रवा तु डडु मने मं डा शिव जी ले अ हो मने
 र मने को र ल को पो ख ए रनी अं तु ली मा मने को पानी
 मने को व हा मने र डडु मने जा डडु मने को पो ख ए
 अ हो के र पानी पा न ला गडा के री नार्व नी ले ती मी मे र
 डी न डडु मने ला प आ ल को पो ख ए मने मं डा मा हा वा र पनी
 गो डडु मने शिव जी ला डडु मने मा रे ति रवा ला गी ह डडु मने
 मा डा अ हो मने मने र डडु मने पा ख ए डे रवने वि ती के शिव
 व जी ले अ व मने पार्वती ले य से मने मने मने मने मने मने
 मा डडु मने पा मने मने मा डडु मने पार्वती ले यो ह डडु मने
 डडु मने मने मने मने मने मने मने मने मने मने मने मने
 ल ले हो दुअनी लग को पार्वती अ घी अ घी आ गद मा हा
 देव मने पधो ल ले रने मने मने मने मने मने मने मने मने
 देव